AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

2011-2022 के पेपर्स का विश्लेषण चार्ट का समावेश

CTET 2022

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

NCERT पैटर्न पर आधारित

हिन्दी भाषा

PAPER - I (कक्षा 1 से 5) **एवं**
PAPER - II (कक्षा 6 से 8)

Best Text book!

इस पुस्तक की थ्योरी CTET 2021 व 2022 के पाठ्यक्रम एवं विगत् वर्षों में पूछे गये प्रश्नों पर आधारित है।

इस पुस्तक का गहन अध्ययन करने से आप CTET हिन्दी भाषा के प्रश्नों को आसानी से हल कर सकते हैं।

NEW **4 in 1 Textbook**

- सम्पूर्ण थ्योरी CTET पाठ्यक्रम एवं विगत वर्षों के प्रश्नों पर आधारित
- वर्ष 2011 से 2021 तक के सभी प्रश्न अध्यायवार एवं व्याख्यात्मक हल सहित
- अभ्यास प्रश्नों का अध्यायवार समावेश
- 23 दिस. 2021, 3 जन. 2022 और 7 जन. 2022 के CTET पेपर्स के हिन्दी भाषा विषय के प्रश्नों का हल सहित समावेश।

Code	Price	Pages
CB918	₹ 279	352

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

Student's Corner

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** v
⊙ **परीक्षा की तैयारी करने की Best Strategy** vi
⊙ **Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?** vii
⊙ **केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पाठ्यक्रम** viii
⊙ **C-TET Exam Pattern 2022** ix
⊙ **C-TET के पिछले वर्षों के हल प्रश्न–पत्रों का विश्लेषण चार्ट** x

हिन्दी **1-195**

1. अपठित गद्यांश 1-59
2. अपठित पद्यांश 60-74
3. हिन्दी भाषा का विकास 75-82
4. वर्ण विचार 83-86
5. हिंदी व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण एवं अव्यय 87-96
6. वाक्य : अंग, भेद, रचना, पदबंध 97-106
7. लिंग, वचन, कारक एवं काल 107-113
8. शब्द विचार : तत्सम–तद्भव, देशज–विदेशज एवं संकर शब्द 114-119
9. अनेकार्थी शब्द 120-123
10. पर्यायवाची शब्द 124-129
11. विलोम शब्द 130-138
12. वाक्यांश के लिए एक शब्द 139-143
13. मुहावरे–लोकोक्तियाँ 144-149
14. उपसर्ग-प्रत्यय 150-156
15. संधि 157-166
16. समास 167-173
17. अलंकार, रस एवं छन्द 174-187
18. वाक्यगत अशुद्धियाँ 188-195

शिक्षाशास्त्र **196-327**

1. अधिगम और अर्जन 196-210
2. भाषा अध्यापन के सिद्धांत 211-223
3. भाषा की शिक्षण विधि 224-238
4. भाषा शिक्षण के उपागम 239-246

5. भाषा दक्षता का विकास 247-253
6. बोलने एवं सुनने की भूमिका : भाषा के कार्य 254-258
7. भाषा अधिगम में व्याकरण की भूमिका 259-267
8. भाषाई कौशलों का विकास : (सुनना, बोलना, पढ़ना तथा लिखना) हिंदी भाषा शिक्षण में चुनौतियाँ 268-283
9. शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्य-पुस्तक, बहुमाध्यम (मल्टीमीडिया) एवं शिक्षण के अन्य संसाधन 284-297
10. भाषा शिक्षण में मूल्यांकन एवं उपचारात्मक शिक्षण 298-317
11. बच्चों में पढ़ने–लिखने सम्बन्धी विकार 318-327

सॉल्व्ड पेपर्स

☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता (कक्षा 1 से 5) परीक्षा, 2022 हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 07-01-2022 1-7
☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता (कक्षा 6 से 8) परीक्षा, 2022 हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 07-01-2022 8-12
☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता (कक्षा 1 से 5) परीक्षा, 2022 हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 03-01-2022 13-18
☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता (कक्षा 6 से 8) परीक्षा, 2022 हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 03-01-2022 19-24
☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता (कक्षा 1 से 5) परीक्षा, 2021 हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 23-12-2021 25-30
☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता (कक्षा 6 से 8) परीक्षा, 2021 हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 23-12-2021 31-36

अध्याय 7 लिंग, वचन, कारक एवं काल

लिंग

लिंग किसी भी 'पद' या 'शब्द' को स्पष्ट करके पूर्णता प्रदान करता है। शब्द के जिस रूप से यह पता चलता है कि 'कर्ता' स्त्री जाति का है या पुरुष जाति का, लिंग कहते हैं।

विशेष–

लिंग की पहचान शब्दों के व्यवहार से होती है। कुछ शब्द सदा पुल्लिंग रहते हैं तो कुछ सदैव स्त्रीलिंग ही रहते हैं।

लेकिन कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो दोनों ही (पुरुष, स्त्री) लिंग में सामान्य रूप से प्रयुक्त किये जाते हैं, उन्हें उभयलिंगी कहा जाता है, जैसे—डॉक्टर, अध्यापक, मैनेजर आदि।

विशेष–

स्त्रीलिंग को पहचानने का उचित तरीका है, शब्द के अन्त में (इ, ई) की मात्रा होती है।

पुल्लिंग की पहचान चिह्न है शब्द के अन्त में (अ, आ, उ, ऊ, ए, ऐ) हों तो लगभग पुल्लिंग की श्रेणी में आते हैं।

नोट–

- दिनों एवं महीनों के नाम पुल्लिंग होते हैं; जैसे–सोमवार, चैत्र, अगस्त आदि।
- पर्वतों एवं पेड़ों के नाम पुल्लिंग होते हैं; जैसे–हिमालय, अरावली, बबूल, नीम, आम आदि।
- अनाजों एवं कुछ द्रव्य पदार्थों के नाम पुल्लिंग होते हैं; जैसे–चावल, गेहूँ, तेल, घी, दूध आदि।
- ग्रहों एवं रत्नों के नाम पुल्लिंग होते हैं; जैसे–सूर्य, चन्द्र, पन्ना, हीरा, मोती आदि।
- अंगों के नाम, देवताओं के नाम पुल्लिंग होते हैं; जैसे–कान, हाथ, सिर, इन्द्र, वरुण, पैर आदि।
- कुछ धातुओं के एवं समय सूचक नाम पुल्लिंग होते हैं; जैसे–सोना, लोहा, ताँबा, क्षण, घण्टा आदि।
- भाषाओं एवं लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होते है; जैसे–हिन्दी, उर्दू, जापानी, देवनागरी, अरबी, गुरुमुखी, पंजाबी आदि।
- नदियों एवं तिथियों के नाम, स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे–गंगा, यमुना, प्रथमा, पञ्चमी आदि।
- लताओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं, जैसे– मालती, अमरबेल आदि।

विभिन्न प्रत्ययों के द्वारा लिंग परिवर्तन

- **'आनी' प्रत्यय के द्वारा बनाये जाने वाले स्त्रीलिंग शब्द**—अ = आनी/आणी

उदाहरण—	नौकर	—	नौकरानी
	जेठ	—	जेठानी
	देवर	—	देवरानी
	क्षत्रिय	—	क्षत्राणी

- **'आइन' प्रत्यय से बनने वाले स्त्रीलिंग शब्द**—(अ, आ, ई, ऊ, ए = आइन)

उदाहरण—	पंडित	—	पंडिताइन
	हलवाई	—	हलवाइन
	चौधरी	—	चौधराइन
	पंडा	—	पंडाइन
	ठाकुर	—	ठकुराइन

- **'ई' प्रत्यय द्वारा बनाये जाने वाले स्त्रीलिंग शब्द**—(अ, आ = ई)

उदाहरण—	लड़का	—	लड़की
	पहाड़	—	पहाड़ी
	घोड़ा	—	घोड़ी
	हिरन	—	हिरनी
	देव	—	देवी
	श्रीमान	—	श्रीमती
	तरुण	—	तरुणी

विशेष—

'आ' से अन्त वाले शब्दों में 'आ' का लोप हो जाता है तथा 'ई' प्रत्यय का प्रयोग किया जाता है। (आ = इया) यदि मूल शब्द में व्यंजन द्वित्व (दो बार) है, एक व्यंजन का लोप हो जाता है।

- **'इया' प्रत्यय से बनने वाले स्त्रीलिंग शब्द**—

उदाहरण—	गुड्डा	—	गुड़िया
	बूढ़ा	—	बुढ़िया
	चूहा	—	चुहिया
	बेटा	—	बिटिया

- **'इन' प्रत्यय से बनाये जाने वाले स्त्रीलिंग शब्द**—इनमें मूल शब्द के अन्तिम स्वर का लोप हो जाता है, उसके स्थान पर 'इन' प्रत्यय आ जाता है।

उदाहरण—	कुम्हार	—	कुम्हारिन
	पड़ोसी	—	पड़ोसिन
	लुहार	—	लुहारिन
	सुनार	—	सुनारिन

- **'नी' प्रत्यय के प्रयोग से बनाये गये स्त्रीलिंग शब्द**—

उदाहरण—	शेर	—	शेरनी
	भील	—	भीलनी
	हंस	—	हंसिनी

- **'इनी' प्रत्यय से बनाये जाने वाले स्त्रीलिंग शब्द**—(अ, ई = नी/णी)
  जिन शब्दों का अन्त 'अ' से होता है—'अ' के स्थान पर 'नी' प्रयोग किया जाता है लेकिन कुछ शब्दों के अन्त में (ई) होता है तो 'नी' प्रत्यय लगाने से पूर्व (इ) लगाया जाता है।

उदाहरण—	तपस्वी	—	तपस्विनी
	यश	—	यशस्विनी
	हितकारी	—	हितकारिणी
	एकाकी	—	एकाकिनी

- कुछ संज्ञा शब्दों में 'वती', 'मती' आदि प्रत्ययों को 'वान', 'मान' के स्थान पर प्रयोग करके स्त्रीलिंग शब्द बनाये जाते हैं।

उदाहरण—	गुणवान	—	गुणवती
	श्रीमान्	—	श्रीमती
	पुत्रवान	—	पुत्रवती
	बुद्धिमान	—	बुद्धिमती
	सत्यवान	—	सत्यवती

- कुछ शब्दों में मूल शब्द स्त्रीलिंग वाची होते हैं। उनमें प्रत्यय जोड़कर पुल्लिंग बनाये जाते हैं।

उदाहरण—	मौसा	—	मौसी
	मामा	—	मामी
	बहनोई	—	बहन
	जीजा	—	जीजी

- **'आ' प्रत्यय लगाकर**—(अ, आ)
  विशेष—हिन्दी में कुछ संस्कृत प्रत्ययों के द्वारा स्त्रीलिंग बनाये जाते हैं।

उदाहरण—	पूज्य	—	पूज्या
	प्रिय	—	प्रिया
	शूद्र	—	शूद्रा
	आचार्य	—	आचार्या

- **कुछ तत्सम शब्दों में 'ता' को 'त्री' करने से**—

उदाहरण—	कर्ता	—	कर्त्री
	दाता	—	दात्री
	विधाता	—	विधात्री
	अभिनेता	—	अभिनेत्री
	रचयिता	—	रचयित्री

- कुछ साधारण शब्दों में स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग समान होते हैं, लेकिन उनके आगे नर लगाकर उन्हें पुल्लिंग बना दिया जाता है एवं मादा लगाकर उन्हें स्त्रीलिंग बना दिया जाता है।

उदाहरण—	नर मक्खी	—	मक्खी
	नर चील	—	चील
	नर कोयल	—	कोयल
	खरगोश	—	मादा खरगोश

- हिन्दी में कुछ पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों में पर्याप्त भिन्नता दिखाई देती है। ये शब्द निम्नांकित हैं—

उदाहरण—	विलाव	—	बिल्ली
	फूफा	—	बूआ
	वीरांगना	—	वीर
	मियाँ	—	बीबी

- कुछ स्थितियों (अकारान्त/ऊकारान्त/ओकारान्त) आदि शब्दों में अन्तिम स्वर का लोप नहीं होता और अन्तिम स्वर के पश्चात् 'एँ' प्रत्यय जुड़ जाता है तथा 'अ' को ह्रस्व स्वर बना देते हैं।

उदाहरण—	कविता	—	कविताएँ
	रेखा	—	रेखाएँ
	वधु	—	वधुएँ
	महिला	—	महिलाएँ

लिंग का संक्षिप्त अवलोकन

पुल्लिंग	विशेषतायें
जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, पुल्लिंग के अन्तर्गत आते हैं, जैसे—लड़का, कुत्ता, घोड़ा आदि।	1. आ, आव, पा, पन, न—ये प्रत्यय जिनके अंत में हो, जैसे—मोटा, लड़कपन। 2. पर्वत, वार, मास, कुछ ग्रहों के नाम, जैसे—हिमालय, सोमवार, सूर्य। 3. पेड़ों के नाम, जैसे—पीपल, नीम, आम। 4. अनाजों व पदार्थों के नाम, जैसे—गेहूँ, चावल, सोना, लोहा। 5. रत्नों के नाम, जलस्थल, भूमण्डल के नाम, जैसे—हीरा, पन्ना, समुद्र, भारत, देश, आकाश। 6. वर्णमाला के अक्षरों के नाम, जैसे—अ, उ, ए, ओ, क, ख, ग, घ।

स्त्रीलिंग	विशेषतायें
जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता हो, स्त्रीलिंग कहते हैं, जैसे—नारी, कुर्सी, लड़की आदि।	1. जिन संज्ञा शब्द के अन्त में ख होता है, जैसे—ईख, भूख। 2. जिन भाववाचक संज्ञाओं के अन्त में ट, वट या हट हो, जैसे—आहट, लिखावट, सजावट। 3. भाषा, बोली और लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं, जैसे—हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल। 4. नदियों व तिथियों के नाम, जैसे—गंगा, यमुना, पूर्णिमा। 5. अनुस्वरांत, ईकारांत, आकारांत आदि संज्ञायें, जैसे—रोटी, टोपी, रात, उदासी। 6. जिन शब्दों का अन्त 'इया' से होता है, जैसे—चिड़िया, कुटिया।

वचन

लिंग की ही तरह वचन का परिवर्तन भी प्रत्यय लगाकर इनके मूल शब्दों को परिवर्तित किया जा सकता है। इन परिवर्तनों का संक्षिप्त विवरण निम्नांकित है तथा इन्हीं प्रत्ययों पर वचन परिवर्तन निर्भर करते हैं।

निम्नलिखित प्रत्ययों के द्वारा शब्दों के वचन परिवर्तित किये जा सकते हैं—

प्रत्यय	उपयोग स्थिति	एकवचन	बहुवचन
'ए'	अकारांत शब्दों के अंतिम 'आ' के स्थान पर 'ए' लगाया जाता है।	लड़का, बच्चा, लोटा, मुर्गा, दाना, कमरा, रास्ता	लड़के, बच्चे, कमरे, मुर्गे, दाने, रास्ते
'एँ'	व्यंजनांत (-अ अन्त वाले) मूल शब्दों में अ स्वर का लोप हो जाता है, उसके स्थान पर 'एँ' बहुवचन सूचक शब्द लग जाता है।	नहर, बाँह, पुस्तक, वधू, बोतल, कलम, पेंसिल, सड़क,	नहरें, बाँहें, पुस्तकें, वधुएँ, बोतलें, कलमें, पेंसिलें, सड़कें,
'आँ'	जब ईकारांत संज्ञा शब्दों में 'आँ' बहुवचन सूचक प्रत्यय लगता है तो अंतिम स्वर 'ई' का परिवर्तन ह्रस्व 'इ' में हो जाता है तथा 'इ' और 'आँ' के मध्य 'य' व्यंजन प्रयोग किया जाता है।	शक्ति, लड़की, नदी, चिड़िया, गली, रीति, नारी, लकड़ी, छुरी	शक्तियाँ, लड़कियाँ, नदियाँ, चिड़ियाँ, गलियाँ, रीतियाँ, नारियाँ, लकड़ियाँ, छुरियाँ

I. 'इ' प्रत्यय का प्रयोग करके अक-इका निम्नांकित है—

बालक	—	बालिका	नायक	—	नायिका
प्रायोजक	—	प्रायोजिका	लेखक	—	लेखिका
अध्यापक	—	अध्यापिका	पाठक	—	पाठिका
गायक	—	गायिका	शिक्षक	—	शिक्षिका

उपरोक्त प्रत्ययों के अलावा कुछ और उपयोग स्थितियाँ भी हैं जिनसे शब्दों का वचन परिवर्तित किया जा सकता है—

II. शून्य प्रत्यय से विदित होता है कि कुछ संज्ञा शब्दों के एकवचन और बहुवचन समान होते हैं, जैसे—पानी, भय, क्रोध।

(i) पानी—बाहर कुछ लोगों को पानी पिला दो।

(ii) भय—हम सबको जंगली जानवरों का भय है।

(iii) क्रोध—मीना और रीता को मुझ पर क्रोध आ रहा है।

III. कुछ शब्दों के बहुवचन बनाने के लिए (वृंद, गण, लोग, जन) आदि समू. हवाची शब्द जोड़ लिये जाते हैं, जैसे—पक्षीवृंद, कर्मचारी वर्ग, लेखकगण आदि।

(i) पक्षीवृंद वृक्ष पर बैठे हैं।

(ii) कर्मचारी वर्ग हड़ताल पर था।

IV. कुछ संज्ञा शब्द हमेशा बहुवचन में ही प्रयोग होते हैं, जैसे—आँसू, केश, वर्षा, प्रेम, जल, प्राण।

(i) भय के कारण मेरे आँसू निकल आये।

(ii) मेरी बहन के केश बहुत लम्बे हैं।

(iii) ट्रेन दुर्घटना में मेरे परिचित के प्राण निकल गये।

V. कुछ संज्ञा शब्द हमेशा एकवचन में ही प्रयोग होते हैं, जैसे—क्रोध, क्षमा, छाया, जनता, वर्षा, हवा।

(i) इस साल वर्षा कम होगी।

(ii) वृक्षों की छाया मन को शान्त करती है।

(iii) मेरे माता-पिता को हम भाइयों पर क्रोध आया।

(iv) जल मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकता है।

कारक

लिंग और वचन की तरह ही शब्द रूप को मूर्त रूप देने में कारक का भी अभूतपूर्व योगदान है।

कारक—संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सीधा सम्बन्ध क्रिया के साथ हो, वह कारक कहलाता है। कारक चिह्नों को स्मरण करने के लिए कुछ निश्चित सूत्र हैं, जो निम्न प्रकार हैं—

कारक	(विभक्तियाँ) स्मरण सूत्र	उदाहरण
कर्ता	ने	मोहन ने कलम से लिखा।
कर्म	को	बिल्ली ने चूहे को मारा।
करण	से	वह बस से आगरा गया।
सम्प्रदान	को, के, लिए	तुम्हारे लिए यह कार्य सरल है। पुस्तकों के लिए राम को रुपये दिये। गाय ने बछड़े को दूध पिलाया।
अपादान	से, अलग होने के अर्थ में	वृक्ष से फल गिरते हैं।
सम्बन्ध	का, की, के	वह शर्मा जी की पुत्री है। प्रिया का भाई वैभव है। सोनू-मोनू विनोद के बच्चे हैं।
अधिकरण	में, पे, पर	पेड़ पर चिड़िया बैठी है। छत पे मत जाओ। घर में सभी वस्तुएँ हैं।
सम्बोधन	हे ! ओ ! अरे !	अरे ! तुम इतने दिन कहाँ थे ? हे भगवान ! यह क्या हो गया ? ओ श्याम ! कमरे में जाओ।

निष्कर्ष

उपरोक्त विवरण के आधार पर स्पष्ट है कि शब्द रूप के निर्माण में इन तीनों (लिंग, वचन, कारक) का निश्चित रूप से बहुत महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन 'प्रत्ययों' के प्रयोग के अभाव में यह अपूर्ण है।

काल

परिभाषा—क्रिया के जिस रूप से कार्य करने या होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं। काल के इस रूप से क्रिया की पूर्णता, अपूर्णता के साथ ही सम्पन्न होने के समय का बोध होता है।

काल के भेद—मुख्यतः काल को तीन भागों में बाँटा गया है—

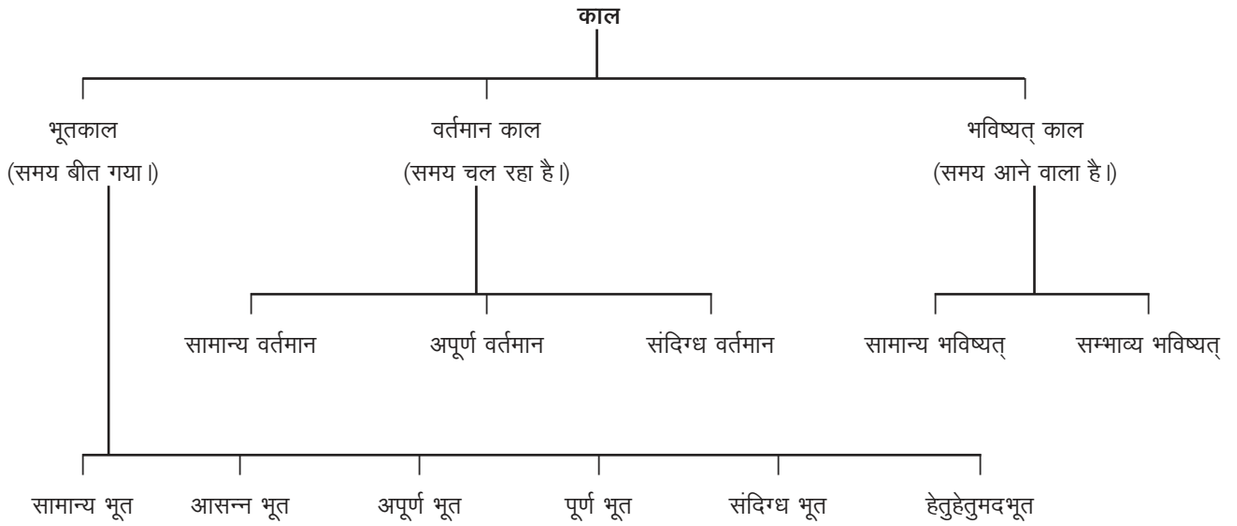

I. भूतकाल—क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का बोध होता है, उसे भूतकाल कहते हैं।
जैसे—''वह खा चुका था।''
भूतकाल के उपरोक्त (चार्ट) में दिये गये भेदों का संक्षिप्त विवरण आगे दिया जा रहा है।

भूतकाल का प्रकार	विशेषता	उदाहरण
(i) सामान्य भूतकाल	भूतकाल की क्रिया के विशेष समय का ज्ञान न हो।	मोहन आया।
(ii) आसन्न भूतकाल	भूतकाल की क्रिया के रूप से यह पता चले कि यह अभी कुछ समय पहले ही पूर्ण हुई है।	मैंने आम खाया।
(iii) पूर्ण भूतकाल	जिसमें क्रिया की समाप्ति के समय का स्पष्ट बोध हो।	उसने श्याम को मारा था।
(iv) अपूर्ण भूतकाल	क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया भूतकाल में हो रही थी किन्तु उसकी समाप्ति का पता न चले।	रीता सो रही थी।
(v) संदिग्ध भूतकाल	जिस क्रिया से कार्य होने में अनिश्चितता अथवा संदेह हो।	बस छूट गयी होगी।
(vi) हेतुहेतुमद् भूतकाल	भूतकाल में एक क्रिया के न होने पर दूसरी क्रिया का होना।	यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती।

II. वर्तमान काल—क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में चल रहे समय का बोध हो।
जैसे—''रवि विद्यालय जा रहा है।''

वर्तमान काल का प्रकार	विशेषता	उदाहरण
(i) सामान्य वर्तमान काल	क्रिया का वह रूप जिससे क्रिया का वर्तमान काल में होना पाया जाये।	बच्चा खिलौने से खेलता हे।
(ii) अपूर्ण वर्तमान काल	क्रिया के रूप से यह बोध हो कि कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है।	अनुराग लिख रहा है।
(iii) संदिग्ध वर्तमान काल	क्रिया के होने में सन्देह प्रकट हो।	राम पढ़ता होगा।
(iv) तात्कालिक वर्तमान काल	क्रिया के रूप से यह पता चले कि वह वर्तमान समय में पूर्ण हो रही है।	मैं पढ़ रहा हूँ।

वर्तमान काल का प्रकार	विशेषता	उदाहरण
(v) संभाव्य वर्तमान काल	वर्तमान में काम पूरा होने की सम्भावना होती है।	वह आया हो।
(vi) पूर्ण वर्तमान काल	कार्य की पूर्ण सिद्धि का बोध होता है।	वह आया है।

III. भविष्यत् काल—क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में (आने वाले समय) में होने का पता लगे।

जैसे—''मैं कल जाऊँगा।''

भविष्यत् काल का प्रकार	विशेषता	उदाहरण
(i) सामान्य भविष्यत् काल	क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में सामान्य ढंग से होने का पता लगे।	वह घर जाएगा।
(ii) संभाव्य भविष्यत् काल	क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में होने की सम्भावना का पता चले।	हो सकता है कि कल मैं वहाँ जाऊँ।
(iii) हेतुहेतुमद् भविष्यत् काल	क्रिया का वह रूप जिसमें भविष्य में एक समय में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर हो।	वह आए तो मैं जाऊँ।

महत्त्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. 'घोंसले में चिड़िया है' में कौन–सा कारक है?
(A) सम्बन्ध कारक (B) सम्प्रदान कारक
(C) अधिकरण कारक (D) अपादान कारक

2. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द पुल्लिंग है?
(A) कढ़ी (B) सरसों
(C) संतान (D) चील

3. निम्न में से पुल्लिंग शब्द का चयन कीजिए–
(A) पखावज (B) पहिया
(C) लिखावट (D) मँझधार

4. 'वनिता' का प्रयोग किस अर्थ में होता है?
(A) जंगल (B) स्त्री
(C) पुस्तक (D) व्यवसायी

5. 'छत से ईंट गिरी' वाक्य में कौन-सा कारक है?
(A) अपादान (B) सम्बन्ध
(C) अधिकरण (D) सम्प्रदान

6. 'पेड़ से बन्दर कूदा', वाक्य में कौन–सा कारक है?
(A) अपादान कारक (B) कर्म कारक
(C) सम्प्रदान कारक (D) करण कारक

7. हिन्दी के शब्दों का लिंग निर्धारण किसके आधार पर होता है ?
(A) प्रत्यय (B) संज्ञा
(C) क्रिया (D) सर्वनाम

8. कारक के कितने भेद होते हैं ?
(A) सात (B) आठ
(C) नौ (D) दस

9. कवि का स्त्रीलिंग है–
(A) कविइत्री (B) कवित्री
(C) कवयित्री (D) कवियित्री

10. निम्न शब्द में अधिकरण कारक का प्रयोग हुआ है–
(A) वाहनारूढ़ (B) सत्ताधीश
(C) गंगाजल (D) रेखाचित्र

11. 'को' से किस कारक चिह्न का बोध होता है ?
(A) कर्म कारक (B) करण कारक
(C) सम्प्रदान कारक (D) अधिकरण कारक

12. 'दाता' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द क्या है ?
(A) दाती (B) दातृ
(C) दात्री (D) धात्री

13. 'लड़का पेड़ से गिरा' में कौन–सा कारक है ?
(A) अपादान कारक
(B) सम्प्रदान कारक
(C) कर्म कारक
(D) अधिकरण कारक

14. 'चूहा बिल से बाहर निकला' में कौन–सा कारक है?
(A) सम्प्रदान कारक (B) अपादान कारक
(C) करण कारक (D) सम्बन्ध कारक

15. निम्न में से पुल्लिंग शब्द है–
(A) सम्प्रदान कारक (B) अपादान कारक
(C) करण कारक (D) सम्बन्ध कारक

16. 'से' विभक्ति निम्न में से किस कारक के लिए प्रयुक्त होती है?
(A) कर्त्ता (B) कर्म
(C) सम्प्रदान (D) करण

17. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द एकवचन तथा बहुवचन दोनों में प्रयोग हो सकता है?
(A) मुनि (B) बेटा
(C) लड़का (D) बालिका

18. 'वह द्वार–द्वार भीख माँगता चलता है' वाक्य में कौन–सा कारक है?
(A) सम्बन्ध (B) सम्बोधन
(C) अधिकरण (D) अपादान

19. 'आयुष्मान' का स्त्रीलिंग क्या है?
(A) आयुष्मती (B) आयुष्यमंयी
(C) आयुषी (D) आयुष्मयी

20. 'हे राम! तुम कहाँ हो' वाक्य में कौन–सा कारक है?
(A) सम्बन्ध (B) अधिकरण
(C) सम्बोधन (D) अपादान

21. 'कर्म कारक' का चिह्न है–
(A) ने (B) से, द्वारा
(C) को (D) को, के लिए, हेतु

22. "विद्वान" शब्द का स्त्रीलिंग क्या होगा ?
(A) विदुषी (B) विद्वंती
(C) विद्यामती (D) विद्यावंती

23. 'सम्राट' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है–
(A) सम्राट (B) सम्राटी
(C) सम्राटिन (D) सम्राज्ञी

24. 'अध्यापक' का स्त्रीलिंग बताए–
(A) अध्यापिकायें (B) अध्यापिका
(C) अध्यापिकों (D) इनमें कोई नहीं

25. निम्नलिखित में पुल्लिंग शब्द कौन–सा है?
(A) नदी (B) पानी
(C) इलायची (D) प्यास

26. 'तपस्वी' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है–
(A) तपस्विन (B) तपस्विनी
(C) तपस्वि (D) तपस्विनि

27. कौन–सा शब्द हमेशा बहुवचन में प्रयुक्त होता है?
(A) शिशु (B) भक्ति
(C) प्राण (D) ग्रन्थ

28. वर्षा शब्द का उचित बहुवचन चुनिए।
(A) वर्षाएँ (B) वर्षाओं
(C) वर्षा (D) वर्षागण

29. 'प्राण' शब्द ..... वचन में प्रयोग होता है।
(A) एकवचन
(B) द्विवचन
(C) एकवचन और बहुवचन दोनों में
(D) बहुवचन

30. 'वृक्ष' शब्द का बहुवचन रूप है –
(A) वृक्षें (B) वृक्ष
(C) वृक्षाएँ (D) वृक्षावों

31. कौन–सा वाक्य आसन्न भूतकाल में है ?
(A) तू आता तो मैं जाता
(B) मोहन आया, सीता गयी
(C) वह आया था
(D) मैंने आम खाया है

32. "वह खा रहा था" में 'खा रहा था' कौन-सा काल है?
(A) पूर्ण भूत (B) अपूर्ण भूत
(C) संदिग्ध भूत (D) सामान्य भूत

33. 'मैं तस्वीर देखता हूँ' यह वाक्य भूतकाल में होगा–
(A) मैं तस्वीर देखूँगा
(B) मैं तस्वीर देख रहा हूँ।
(C) मैंने तस्वीर देखी।
(D) मैं तस्वीर देखूँ।

34. निम्न में वर्तमान काल का उदाहरण है–
(A) उसने पढ़ा था।
(B) वह पुस्तक पढ़ेगा।
(C) वह जाता है।
(D) वह खेल रहा था।

35. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से दिए गए वाक्य का सही काल वाला विकल्प पहचानिए–
यदि मैं समय पर स्टेशन पहुँचता तो मेरी गाड़ी न छूटती।
(A) संदिग्ध भूतकाल
(B) हेतुहेतु मद भूतकाल
(C) सामान्य वर्तमानकाल
(D) आसन्न भूतकाल

36. पीयूष राम <u>को</u> पीट रहा है, इसमें रेखांकित शब्द में कारक है–
(A) सम्बन्ध (B) कर्म
(C) कर्ता (D) अपादान

37. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द पुल्लिंग नहीं है?
(A) गाय (B) ग्रंथ
(C) शेर (D) अर्क

38. अपूर्ण भूतकाल का उदाहरण है–
(A) आपका पत्र मिल गया था
(B) बालक सो रहा था
(C) वर्षा हुई होगी
(D) वर्षा हुई थी

39. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य संदिग्ध वर्तमान काल का उदाहरण है ?
(A) पढ़ा होगा
(B) मैं शायद पढ़ रहा होऊँ
(C) मैं पढ़ रहा हूँ
(D) मैं पढ़ रहा होऊँगा

40. 'राजा भिक्षुक को दान देता है' वाक्य में कौन–सा कारक है?
(A) कर्म कारक (B) अपादान कारक
(C) संप्रदान कारक (D) करण कारक

41. "लड़की जाती है।" यह वाक्य अपूर्ण भूतकाल में होता है–
(A) लड़की जा रही थी।
(B) लड़की गयी।
(C) लड़की गयी थी।
(D) लड़की जाएगी।

42. 'वधू' का बहुवचन रूप होगा–
(A) बधूएँ (B) बधुओं
(C) वधुएँ (D) वधुऐ

43. नीचे दिए गए शब्द का बहुवचन बताइए–
"बात"
(A) बातें (B) बातों
(C) बतियाँ (D) बात

44. 'राम की गाय चरती है' वाक्य में कौन-सा कारक है?
(A) कर्ता (B) कर्म
(C) संबंध (D) अधिकरण

45. ''बालक ने पत्थर से कुत्ते को मारा'', इस वाक्य में कारक क्रमशः हैं–
(A) कर्त्ता, करण, कर्म
(B) कर्म, कर्त्ता, करण
(C) करण, कर्त्ता, कर्म
(D) अपादन, करण, कर्त्ता

व्याख्यात्मक हल

1. (C) अधिकरण का अर्थ होता है–आश्रय। संज्ञा का वह रूप जिससे क्रिया के आधार का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं। अधिकरण कारक के विभक्ति चिह्न इस प्रकार हैं। इसकी विभक्ति 'में' और 'पर' होते हैं। भीतर, अंदर, ऊपर, बीच आदि का प्रयोग इस कारक में किया जाता है। जैसे–'घोंसले में चिड़िया है' में अधिकरण कारक है। इसमें 'में' विभक्ति चिह्न का प्रयोग हुआ है।

2. (C) जो संज्ञापद पुरुष वर्ग के वाचक होते हैं अथवा जो शब्द पुरुष जाति के अंतर्गत माने जाते हैं वे पुल्लिंग कहलाते हैं। सन्तान पुल्लिंग शब्द है।

3. (B) दिये गये शब्दों में 'पहिया' शब्द पुल्लिंग के रूप में वाक्य संरचना में क्रिया के साथ संयोजित होता है। यथा–'समय का पहिया तो सदैव घूमा करता है।'

4. (B) 'वनिता' का प्रयोग 'स्त्री' के अर्थ में होता है।

5. (A) छत से ईंट गिरी में अपादान कारक है।

6. (A) पेड़ से बन्दर कूदा। इस वाक्य में 'से' परसर्ग अलग होने के भाव को दर्शाता है इसमें अपादान कारक है।

7. (C) हिन्दी के शब्दों में लिंग धारण क्रिया के आधार पर होता है जैसे–
1. मैं जा रहा हूँ (पुल्लिंग)।
2. मैं जा रही हूँ (स्त्रीलिंग)।

8. (B) कारक के 8 भेद हैं, जो इस प्रकार हैं–
1. कर्ता 2. करम 3. करण 4. सम्प्रदान 5. अपादान 6. सम्बन्ध 7. अधिकरण 8. सम्बोधन कारक।

9. (C) कवि का स्त्रीलिंग कवयित्री है।

10. (A) जहाँ अधिकरण कारक चिह्न का लोप हो वहाँ अधिकरण तत्पुरुष समास होता है। प्रश्न में दिए गए शब्द वाहनारूढ़ में 'पर' कारक चिह्न का लोप है। इस सामासिक पद का विग्रह वाहन पर आरूढ़ होगा। अतः अधिकरण कारक का प्रयोग वाहनारूढ़ में हुआ है।

11. (A) कर्ता <u>ने</u> कर्म <u>को</u> करण से अपादान से अलग होने के भाव में सम्बन्ध <u>का</u>/<u>की</u>/<u>के</u> अधिकरण <u>में</u>/पर सम्बोधन <u>हे</u>/<u>अरे</u> आदि कारकों के प्रमुख परसर्ग हैं। अतः 'को' एक कर्म कारक के चिह्न का बोध कराता है।

12. (C) 'दाता' का स्त्रीलिंग दात्री होता है जिनके सामान्य अर्थ हैं–देने वाला एवं देने वाली (दात्री)।

13. (A) लड़का पेड़ से गिरा। इस वाक्य में 'से' परसर्ग अलग होने के भाव का बोध कराता है। अतः इस वाक्य में अपादान कारक है।

14. (B) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से दूर होने, दूर जाने आदि का भाव प्रकट होता है। वहाँ अपादान कारक होता है। चूहे का बिल से बाहर निकलने के कारण यहाँ अपादान कारक है।

15. (C) रात, बात व मात स्त्रीलिंग शब्द हैं, जबकि गीत पुल्लिंग शब्द है।

16. (D) **करण**
'से' विभक्ति 'करण' कारक के लिए प्रयुक्त है। कर्त्ता 'ने', कर्म 'को', करण 'से', सम्प्रदान 'के लिए', अपादान 'से', सम्बन्ध

'का की, के', अधिकरण 'में, पर', सम्बोधन 'हे! अरे!'।

17. (A) दिए गए विकल्पों में **मुनि** शब्द का प्रयोग एकवचन तथा बहुवचन दोनों में हो सकता है।

18. (C) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया का आधार सूचित होता है, उसे **अधिकरण** कारक कहते हैं। इसके परसर्ग 'में, पर' है; जैसे–'वह द्वार–द्वार भीख माँगता–फिरता है' वाक्य में 'पर' विभक्ति चिह्न का लोप है, अतः इसमें अधिकरण कारक है।

19. (A) जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, वे स्त्रीलिंग शब्द कहलाते हैं; जैसे–नदी, गाय, मृत्यु, रोटी, उदासी आदि। 'आयुष्मान' शब्द का स्त्रीलिंग रूप 'आयुष्मती' होता है।

20. (C) जिस वाक्य में विस्मयसूचक शब्द का प्रयोग किया जाता है, वहाँ सम्बोधन कारक होता है।

21. (C) कर्म कारक का परसर्ग/कारक चिह्न 'को' होता है, जो वाक्य में आए 'कर्म' के लिए प्रयोग किया जाता है।

22. (A) विद्वान शब्द का स्त्रीलिंग 'विदुषी' होता है और पुरुष को विद्वान कहते हैं।

23. (D) सम्राट शब्द का स्त्रीलिंग है, साम्रज्ञी सम्राट जो शासन को चलाता हैं। उसकी पत्नी सम्राज्ञी है।

24. (B) **अध्यापिका**
1. महिला अध्यापक या वह महिला जो विद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाती है।
2. वह स्त्री जो पढ़ाने का काम करती हो।

25. (B) **पानी**–रंग, गंध और स्वाद से रहित एक पारदर्शी तरल द्रव्य जो जीवन के लिए आवश्यक है; जल, नीर।

26. (B) **तपस्विनी**
1. तपस्या करने वाली स्त्री
2. तपस्वी की स्त्री

27. (C) **प्राण**
1. प्राणियों की वह चेतन शक्ति जिससे वे जीवित रहते हैं।
2. शरीर में स्थित पंच वायु में से एक जो मुख प्रदेश में संचरण करती है।

28. (C) कुछ शब्दों का हमेशा बहुवचन में प्रयोग किया जाता है। वर्षा विभक्ति रहित शब्द है। अन्य शब्द आँसू, प्राण, हस्ताक्षर।

29. (D) प्राण एक भाववाचक संज्ञा रूपी शब्द है तथा यह हमेशा बहुवचन के रूप में प्रयोग किया जाता है।

30. (B) वृक्ष का बहुवचन वृक्ष लगाये। 'वृक्ष' शब्द एकवचन एवं बहुवचन दोनों स्थिति में 'वृक्ष' ही प्रयोग होगा। इनमें विशेषण (जैसे अनेक, पाँच, छायादार) जोड़कर वर्गीकृत किया जा सकता है।

31. (D) प्रश्नोक्त वाक्य में आसन्न भूतकाल है। क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया अभी कुछ समय पहले ही पूर्ण हुई है; जैसे– मैं अभी सोकर उठी हूँ।

32. (B) 'वह खा रहा था' वाक्य में "खा रहा था" में अपूर्ण भूत काल है, क्योंकि इस वाक्य में कार्य होता हुआ समाप्त हो रहा है।
1. **सामान्य भूत**–भूतकाल की क्रिया के विशेष समय का ज्ञान नहीं होता है; जैसे–राम आया।
2. **संदिग्ध भूत**–इसमें यह संदेह बना रहता है कि भूतकाल में कार्य पूरा हुआ था या नहीं। जैसे–आपने सिनेमा देखा होगा।
3. **पूर्ण भूत**–इसमें क्रिया की समाप्ति का स्पष्ट बोध होता है; जैसे–मोहन विद्यालय जा चुका था।
4. **अपूर्ण भूत**–इसमें क्रिया भूतकाल में हो रही थी, किन्तु उसकी समाप्ति का पता नहीं चलता है। जैसे–मोहन किताब पढ़ रहा था।

33. (C) दिया गया वाक्य : मैं तस्वीर देखता हूँ
भूतकाल (वाक्य) : मैंने तस्वीर देखी
भविष्यकाल (वाक्य) : मैं तस्वीर देखूँगा।

34. (C)

	वाक्य	काल
1.	उसने पढ़ा था।	भूतकाल
2.	वह पुस्तक पढ़ेगा।	भविष्यकाल
3.	वह जाता है।	वर्तमान काल
4.	वह खेल रहा था।	भूतकाल

35. (B) प्रश्नोक्त वाक्य में हेतुहेतु मद भूतकाल है। भूतकाल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है, तो उसे हेतुहेतु मद भूतकाल कहा जाता है। समय पर स्टेशन पहुँचने पर गाड़ी का न छूटना निर्भर है।

36. (B) **कर्म**–संज्ञा या सर्वनाम के जिस पद पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका चिह्न 'को' होता है–नर्स ने रोगी **को** दवाई दिलाई।

37. (A) गाय शब्द स्त्रीलिंग से है। जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का पता चलता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहा जाता है। गाय प्राणीवाचक स्त्रीलिंग है, अन्य तीनों शब्द (ग्रंथ, अर्क, शेर) पुल्लिंग शब्द हैं।

38. (B) उपर्युक्त वाक्य अपूर्ण भूतकाल का उदाहरण है। जिस क्रिया से कार्य के भूतकाल में होने का ज्ञान हो, किन्तु समाप्ति का पता न हो; जैसे– रंजना नाच रही थी।

39. (A) जिस क्रिया के वर्तमान समय में पूर्ण होने में संदेह हो, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं।

40. (C) 'राजा भिक्षुक को दान देता है' में सम्प्रदान कारक है।

विभक्ति	कारक	चिह्न
प्रथमा	कर्ता	ने
द्वितीय	कर्म	को
तृतीय	करण	से, के द्वारा
चतुर्थी	सम्प्रदान	को, के लिए
पंचमी	अपादान	से अलग होने पर
षष्ठी	सम्बन्ध	का, की, के, रा, री, रे
सप्तमी	अधिकरण	में, पर
अष्टमी	सम्बोधन	हे!, ओ!, अरे!

41. (A) जिस क्रिया से यह ज्ञात हो कि भूतकाल में कार्य संपन्न नहीं हुआ था, अभी चल रहा था, अपूर्ण भूतकाल कहलाता है उपर्युक्त वाक्य का अपूर्ण भूतकाल है–'लड़की जा रही थी'।

42. (C) 'वधू' का बहुवचन रूप 'वधुएँ' है शेष सभी गलत हैं।

43. (A) बात एकवचन शब्द है इसका बहुवचन बातें होता है। अकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों (बात) में 'अ' के स्थान पर एँ लगाने से बहुवचन बनाया जाता है। कलम–कलमें, रात–रातें।

44. (C) "राम की गाय चरती है" में सम्बन्ध कारक है। जिस संज्ञा या सर्वनाम के रूप में उनका सम्बन्ध वाक्य की किसी दूसरी संज्ञा या सर्वनाम से प्रकट हो, उस रूप को सम्बन्ध कारक कहते हैं; जैसे–वह मोहन का खेत है। किसका खेत, तो उत्तर आता है, मोहन का। इसी प्रकार किसकी गाय तो राम की गाय से सम्बन्ध का बोध होता है।

45. (A) कारक का क्रमशः रूप है–कर्ता (बालक), पत्थर 'से' (करण कारक), मारा (कर्म कारक)

❐❐